

“ एक कदम हरित एवं स्वच्छ ऊर्जा की ओर ”

“छाया मन्यस्य कुर्वन्ति तिष्ठन्ति स्वयमातपे।

फलान्यपि परार्थाय वृक्षाः सत्पुरुषा इव” ॥

संपूर्ण ब्रह्मांड में अभी तक ज्ञात ग्रहों में मात्र पृथ्वी ही ऐसी है, जहां हरियाली की चादर बिछी हुई है। सृष्टि में अपने प्रादुर्भाव से ही मानव ने प्रकृति से प्यार पाया ,दुलार पाया है। जब भूख सताई तो इसी प्रकृति ने उसे आहार दिया, आसमान से आपदा का कहर बरपा तो इसी प्रकृति ने उसे शरण दी, उसका बचाव किया। इसी प्रकृति ने उसे तन ढकने के लिए वल्कल वस्त्र दिए, इसी हरियाली से उसे आवास मिला, ईंधन मिला, ऊर्जा मिली।

ऊर्जा से तात्पर्य है ऐसे स्रोत जिससे कार्य करने की शक्ति प्राप्त होती है। उदाहरण के लिए:-हम मनुष्यों को फल सब्जियां, अन्न आदि को खाकर काम करने की शक्ति मिलती है। ऊर्जा के स्रोत तो कभी समाप्त नहीं होंगे। बीज डालिए फल सब्जियां उगाइए और काम पर लग जाइए। इसके विपरीत मशीनों में कार, मोटर, बिजली उत्पन्न करने के लिए गैस, तेल, लकड़ी जैसे पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों की एक सीमा है यदि हम इन्हें धरती से निकलते ही जाएंगे तो एक न एक दिन यह समाप्त हो जाएंगे।

तभी तो आवश्यकता है ऐसे अपारंपरिक ऊर्जा स्रोतों की जो कभी चुके ही नहीं, ऐसे अपारंपरिक ऊर्जा स्रोत जिससे प्रगति का पहिया निरंतर बिना रुके आगे की ओर बढ़ता रहे। इन्हें हम स्वच्छ हरित ऊर्जा स्रोत भी कह सकते हैं। आप कहेंगे ऐसा क्यों? स्वच्छ इसलिए क्योंकि इनसे पर्यावरण को कोई हानि नहीं हो रही है और हरित इसलिए क्योंकि यह हरे भरे पेड़ पौधों से ही निर्मित हैं।

“फल-फल ,सब्जी में समाई ऊर्जा”

“सेवितव्यो महावृक्षः फलच्छआयआ समन्वइतः।

यदि देवाद फलं नास्ति, छाया केन निर्वायते”॥

इधर फल -सब्जियां और फूलों तक से ऊर्जा प्राप्त करने के सफल प्रयोग संपन्न हुए हैं। नींबू ,संतरा, मौसमी ,माल्टा,अनानास, केला, पपीता, आम आदि ऐसे फल है जिनमें अम्ल और क्षारीय मात्रा होती है। परिक्षणों में पाया गया है कि यदि एक गैल्वेनोमीटर का संपर्क एक जस्ता और तांबे की छड़ से इनमें से किसी एक फल से कर दिया जाए तो गैल्वेनोमीटर की सुई हिलने लगती है और अगर इन्हें एक श्रृंखला में जोड़ दिया जाए तो एक कम वाट का बल्ब जलाना भी संभव है। केला, करंज,सेंजना ,इमली,गूलर, सेमल आदि से भी विद्युत प्राप्त करने में सफलता पाई गई है। पुणे के वन अनुसंधान और प्रशिक्षण विभाग के श्री आर. एल चौधरी के एक प्रकाशित पत्र के अनुसार केले के पेड़ से 1-1.2 वोल्ट, करंज से 0.6 वोल्ट, आम से 0.9-1 वोल्ट, सेमल से 0.8,पीपल से 0.6-0.9 ,सागौन से 0.6-1 और ढाक से 0.7-1 वोल्ट बिजली प्राप्त की जा सकती है। सबसे अधिक विद्युत केले के पेड़ से प्राप्त हुई।

“पर्यावरण की हिताची कुछ अन्य महत्वपूर्ण ऊर्जा स्रोत”

“जेट्रोफा है समाधान

हरित ऊर्जा से रोशन होगा हिंदुस्तान”

भारत ने जेट्रोफा नामक पौधे को करंज के नाम से भी जानते हैं। इसको “रतनजोत” नाम से भी जाना जाता है।यह अमेरिकी मूल का पौधा है। आज वैज्ञानिक जेट्रोफा से बायोडीजल बनाने में सफल हुए हैं। ज्ञात हो कि जेट्रोफा के सूखे बीज से आम तौर पर 30% से 40% तक तेल पाया जाता है। इसी अल्कोहल द्वारा डीजल में बदल देने में सफलता प्राप्त कर ली गई है। क्योंकि यह जैविक आधार लिए हुए हैं अतः इसे बायोडीजल या जैव डीजल कहा गया है। यही कारण है कि इस ज्वलन में उत्सर्जित गैसों में ग्रीन हाउस गैसों और कार्बन मोनोऑक्साइड के परिणाम में कमी पाई जाती है। अतः इस जेट्रोफा के प्रयोग से बेंजो प्रिन 70% बेंजो फ्लोरोथीन 55% तक कम उत्सर्जित होती है ।यानी यह पर्यावरण हितैषी ऊर्जा स्रोत है ।इसलिए यह पर्यावरण हितैषी पौधा है। डीजल के निर्माता “रुडोल्फ डीजल” ने स्वयं कहा था कि वह दिन दूर नहीं जब इंसानी मशीनों को चलाने के लिए तेल की धार धरती में बहेगी। जेट्रोफा से पूर्व सूरजमुखी, सोयाबीन, नारियल, जैतून, बिनौला अरंडी आदि कितने ही वनस्पति तेलों का प्रयोग बतौर ईंधन किया जा चुका है।

भारत सरकार के विभिन्न प्रयास

भारत सरकार द्वारा जेट्रोफा ,की कृषि को प्रोत्साहन देने हेतु साढ़े बारह हजार करोड़ की परियोजना प्रारंभ की गई है। अगर यह योजना सफल होती है तो भारत की आवश्यकता का आधा भाग इसी से पूर्ण हो जाएगा।

संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत वर्ष 2015 में सौर और पवन ऊर्जा जैसे अपारंपरिक साधनों पर निवेश करने वाले दुनिया के 10 शीर्ष देशों में एक रहा।

उपसंहार- यदि हम वातावरण में प्रदूषण करेंगे तो उसका भुगतान हमें स्वयं ही करना होगा जैसे वर्तमान समय में कोरोनावायरस में लाखों लोगों ने ऑक्सीजन की कमी से प्राण त्याग दिए यदि हम इतने वृक्ष नहीं काटते तो हमें यह दिन नहीं देखना पड़ता। इसलिए इन अनेक विपदाओं से बचने का एकमात्र उपाय स्वच्छ हरित ऊर्जा को अपनाना ही दिखाई पड़ता है।

*“ एक कदम हमें हरित ऊर्जा की ओर बढ़ाना है।
इसी ऊर्जा का प्रयोग कर भारत को स्वच्छ व स्वस्थ बनाना है
यही ऊर्जा स्वच्छ पर्यावरण का प्रतिबिंब है
यही ऊर्जा सदैव मानव जाति के संग है।*

मनु मनस्वी (कक्षा 11A)

THEME: DRONES

PROJECT NAME: EMP DRONE

BRIEF DESCRIPTION:

I've created a drone with an electromagnetic pulse system for the military. It can safely immobilize vehicles from a distance, protecting our forces. The drone also disposes of explosive threats in suspicious areas, contributing to the Indian Army's security efforts.

Advantages of this project:

- 1. Safety Drone for Military:** Stops getaway cars, removes bombs from afar, and keeps soldiers safe in different places.
- 2. Smart Bomb Defense:** Destroys bombs without touching them, protects soldiers in a new way.
- 3. Drone for Anywhere:** Uses drones everywhere, helps the Indian Army stay safe and strong.

UTILITY IN REAL LIFE:

I have designed this drone and the EMP is also designed by me for military purposes, and it can be used to disperse the planted bombs and protect our military force if we use this drone in suspicious areas where bombs can be planted, the EMP dispenses or disposes of all the bombs easily within minutes and hence this project will contribute a lot to our Indian Army.

TEAM NAME: SAFESKIEE

VIDYALAYA/REGION: PM SHRI KENDRIYA VIDYALAYA NO.1 JHANSI CANTT

परीक्षा पे चर्चा 2024: पीएम केन्द्रीय विद्यालय के छात्र योगेश का प्रोजेक्ट ड्रोन चयनित

द संघर्ष न्यूज
मोबा-9425717394

झांसी! प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी 29 जनवरी को भारत मण्डपम से परीक्षा पे चर्चा 2024 कार्यक्रम में सम्पूर्ण भारतवर्ष के छात्र छात्राओं, शिक्षकों व माता पिता से चर्चा करेंगे अत्यन्त हर्ष का विषय है कि हमारे झांसी से पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्र 01 के कक्षा बारहवीं के छात्र योगेश कुशवाहा का चयन हुआ है। विद्यालय की रसायन विज्ञान प्रवक्ता श्रीमती रंजना उपाध्याय के निर्देशन में छात्र योगेश कुशवाहा द्वारा विद्यालय की अटल लैब में बना



ईएमपी ड्रोन जो देश की मिलिट्री को बम को डिफ्यूज़ करने में मदद कर सकता है प्रोजेक्ट को योगेश कुशवाहा प्रधानमंत्री जी के सम्मुख प्रस्तुत करेंगे। विद्यालय के उप प्राचार्य ए.अग्रवाल ने बताया कि शिक्षिका श्रीमती रंजना उपाध्याय एवं छात्र योगेश कुशवाहा 29

जनवरी को कार्यक्रम में प्रतिभाग करेंगे। विद्यालय के प्राचार्य नरेश बाबू अग्रवाल ने विद्यालय की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त की एवं बताया कि उक्त कार्यक्रम का सजीव प्रसारण विद्यालय में सभी छात्र छात्राओं एवं शिक्षकों को दिखाया जायेगा

पीएम ने छात्र योगेश से पूछा कैसे काम करेगा ईएमपी ड्रोन

भारत मंडपम में झांसी के केंद्रीय विद्यालय एक के छात्र योगेश के मॉडल की पीएम ने की सराहना

अमर उजाला ब्यूरो

झांसी। झांसी के बाल वैज्ञानिक योगेश कुशवाहा का ईएमपी (इलेक्ट्रो मैग्नेटिक पल्स) ड्रोन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बहुत पसंद आया। सोमवार को परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम के दौरान दिल्ली के भारत मंडपम में लगी विज्ञान प्रदर्शनी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छात्र योगेश कुशवाहा के मॉडल को देखा।

उन्होंने छात्र से पूछा कि यह ड्रोन कैसे काम करता है? उन्होंने छात्र से ईएमपी तकनीक और ड्रोन की रेंज के बारे में भी जानकारी ली। इस दौरान छात्र योगेश ने प्रधानमंत्री को ड्रोन की सभी खूबियों से अवगत कराया। संवाद के दौरान प्रधानमंत्री



परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम में योगेश से बात करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। *वीडियो थ्रू*

ईएमपी तकनीक और ड्रोन की रेंज के बारे में भी जानकारी ली

ने योगेश के ड्रोन और तकनीक की सराहना की और उत्साह बढ़ाया।

झांसी के केंद्रीय विद्यालय क्रमांक एक के छात्र योगेश कुशवाहा ने ईएमपी (इलेक्ट्रो मैग्नेटिक पल्स) ड्रोन विकसित किया है।

इस ड्रोन के जरिये बम को बिना छुए निष्क्रिय किया जा सकता है।

केंद्रीय विद्यालय संगठन की ओर से प्रोजेक्ट को परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम के तहत भारत मंडपम में लगी विज्ञान प्रदर्शनी में प्रदर्शित किया गया। सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छात्र योगेश कुशवाहा के प्रोजेक्ट का अवलोकन किया।

प्रधानमंत्री ने योगेश से ड्रोन विकसित करने और उसके प्रयोग के बारे में जानकारी ली। साथ ही आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। शिक्षिका रंजना उपाध्याय ने बताया कि विज्ञान प्रदर्शनी में ड्रोन छाया रहा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने भी प्रोजेक्ट की सराहना की। उन्होंने प्रोजेक्ट के बारे में जानकारी लेकर इसे बेहतर विकसित करने की बात कही।

AGRA REGION

क्यों??

क्यों सदा हम निरत रहते, पर-छिद्रान्वेषण में
नहीं करते दूर हम, मलिनता अपने मन की
क्यों हमें आनंद मिलता, पर-निंदा पर-दलन में
नहीं होते आनंदित कर, भलाई जन-जन की
क्यों हमारी आत्मा बस, तृप्त रहती संकुचन में
नहीं करते विस्तीर्ण हम, भावना अंतरतम की
क्यों सदा बस तुष्ट रहते, स्वयं अपने अहम् में
नहीं करते अहम् को 'हम', त्याग भावना 'मैं' 'तुम' की
क्यों सदा बस स्वार्थ का, स्वामित्व होता तन-मन में
नहीं करते दमन, निम्न प्रवृत्ति जो संकीर्णता की

क्यों सदा हम समय का, करते हनन पिष्ट-पेषण में
नहीं करते शक्ति अर्जित, प्रेम और संगठन की
क्यों सदा हम रमे रहते, मात्र अपने मोदन में
नहीं करते मुदित सबको, दे सौगात खुशी की
क्यों नहीं देते ओ भगवन! ज्ञान अपने अंश(मानव) को
तुल गया है जो मिटाने, मानवता के वंश को

हे मातृभूमि!!

हे मातृभूमि करें नमन
तेरे लिए है तन ये मन
यश से तेरे सुरभित जगत
है स्वर्ग भी तेरा भगत
प्रभु ने धरे तुझ पर चरण
तेरे लिए है तन ये मन
त्रैलोक में अनुपम है तू
विधिकृत सृजन उत्तम है तू
सौभाग्यवान भारत के जन
तेरे लिए है ये तन ये मन
ममतामयी स्वर प्राण है
तुझ पर हमें अभिमान है
तूने दिया है हमें जनम
तेरे लिए है तन ये मन

पावन धरा तू महान है
भूलोक का वरदान है
शत-शत करें हम वंदन
तेरे लिए है तन ये मन

द्वारा-
श्रीमती मृदु त्रिपाठी
पी.जी.टी.हिन्दी

वाणी की मधुरता

बोलना एक कला है। बोली का मूल्य असीम है। इस कला से मूर्ख की मूर्खता तथा विद्वता का स्वतः पता चल जाता है।

“बात करन की रीति में, है अंतर अधिकाय।

एक वचन से रिस बढै, एक वचन ते जाय।।”

वाणी की मधुरता जीवन का आनंद है। उसकी मिठास से हर किसी का दिल जीता जा सकता है। हमारी उपलब्धियां या सफलताएं वाणी पर निर्भर करती हैं। शिक्षित होने के साथ-साथ हमारी बोलचाल में शालीनता एवं उदारता होनी चाहिए।

हमें अपनी वाणी पर पूर्ण नियंत्रण रखना चाहिए क्योंकि गलत शब्द के प्रयोग से मधुर संबंध भी शत्रुता में बदल जाते हैं। शब्दों में ज्ञान, सत्य तथा मधुरता का समावेश होना चाहिए। इससे विचारों की महत्ता कई गुणा बढ़ जाती है।

शब्दों की गति प्रकाश से भी तीव्र होती है। मुख से निकले शब्द समुचे ब्रह्मांड की परिक्रमा कर लेते हैं तथा तरंगों के रूप में वातावरण में ओत-प्रोत हो जाते हैं और उनका प्रभाव हमारे ऊपर पड़ता है। हमारे द्वारा प्रयोग किये गये शब्दों से ही हमारी आत्मा के स्वरूप, पूर्व जन्मों के संस्कार, मन तथा कर्म का प्रतिबिम्ब झलकता है। मन तथा कर्म की पवित्रता से ही वचन में श्रेष्ठता आती है। प्रत्येक बात हृदय रूपी तराजू पर तोल अर्थात् खूब सोच समझ कर ही बोलनी चाहिए क्योंकि विनम्रता ही वाणी का श्रंगार है।

ईश्वर ने हमें जो वाणी रूपी रत्न उपहार स्वरूप दिया है, उसका हमेशा सदुपयोग करना चाहिए। शब्दों का दुरुपयोग करने से वाक ज्योति धीरे-धीरे मंद होकर अंत में बुझ जाती है।

लेखक
धर्मपाल सिंह निरंजन
प्राथमिक शिक्षक
पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय
क्रमांक 1 झांसी कैंट

माँ- बाप

माँ का प्यार, बाप की ममता,
जैसे सुरज की किरण, चाँद का चमक।

उनकी छाया हमेशा साथ,
सुख-दुःख में हमें देते बात।

स्कूल के सफर, खेलों का मैदान,
माँ-बाप के बिना कितना है अधूरा जहाँ।

जब भी हो दुख, जब भी हो सुख,
माँ-बाप के बिना लगे सब दुख।

उनका साथ, हमारी खुशियाँ,
माँ-बाप की देखभाल है सच्ची महिमा।

धन्य हैं हम, उनकी कृपा से,
माँ-बाप का प्यार है हमारी खुशियों का सूर्य।

आयुष दुबे (VIII "A")

THE BRAVE HEARTS

Today my friend, I'll share a tale,
Of bravery that our heart prevails.
There are chakras, my friend, that recognize the brave,
Their sacrifices , our deepest gratitude we engrave.
So why are these Chakras bestowed, you may ask ,
Let me shed light on this honorable task.
For their courage and valor, they stand tall,
These Chakras recognized their sacrifices above all.
The 'Param Veer Chakra', the highest honor they receive,
For their acts of valor, beyond what we perceive.

Now let's shift our focus to 'The Veer Chakra', a tribute to their fearless might,
Recognizing their courage shining so bright.
And 'The Mahaveer Chakra', a symbol of their Gallant stand,
Awarded for their bravery, protecting our land.
These medals my friend, are a mark of their devotion
To our nation's honor and their unwavering emotion.

So now let me tell you about a brave soul,
Captain Vikram Batra, with a warrior's role.
Known as the 'Sher Shah Of Kargil'
Fought with unparalleled bravery, his spirit never to beguile.

During the Kargil War, he fought with might,
Scaling the treacherous peaks, day and night.

In the Icy heights of point 4 8 7 5,
He led his troops fearlessly alive.
"YEH DIL MAANGE MORE" He shouted loud,
As he Charged ahead, admits the enemy crowd.

Let me tell you about more such Brave Hearts in brief,
Their valor and courage, beyond belief.
From the battlefield their stories Unfold,
Legends of bravery, forever to be told .

Admire the battlefield, where Bravery thrive,
Lie tales of heroes, who risked their life.
But before Mr. Somnath Sharma let me tell,
Of another warrior, who fought so well .

Lieutenant ARUN KHETARPAL, a name renowned,
In the battle of Basantar his valor was found.
With his tank ablaze, he fought till end ,
A symbol of courage, a true brave heart my friend.

And then comes, Mr. SOMNATH SHARMA, so bold,
His story of bravery, forever to be told.

In the battle of Badgam , he stood strong,
Till his last breath, he fought along .

SERGEANT MANOJ KUMAR PANDEY, a name we hold dear,
Fought with unwavering courage, without any fear.
In the battle of khalubar , he led the charge ,
Inspiring his comrades, like a guiding star.

And how can we forget about, FLYING NIRMAL JIT SEKHON,
An air warrior, brave and strong.
In the 1971 war, Against all odds,
He defended the Air-Field , with lightening Rods.

These are just a few examples my friend,
Of the bravery that our soldiers extend.
Their sacrifices and courage, beyond compare,
Protecting our Nation with love and care.

But let's not forget about the Unsung heroes, too,
The support of their families, strong and true.
Their love and sacrifice, a vital part,
Standing by their loved ones , with a brave heart.

These Heroes, my friend, in their own way ,
Showed us what it means to fight and obey.
Their sacrifices and courage, a beacon of light,
Guiding through darkness, with all their might .

In the realm of valor , where heroes are born ,
Let's celebrate THE BRAVE HEARTS , their stories adorn.
Their bravery and sacrifice, forever we'll cherish,
In our heart they'll live on , never to perish.

Paramveer chakra , mahaveer chakra and veer chakra, Is A testament to their might,

Honoring the heroes, who live forever and keep shining so bright...

~ By Raunak Dubey

" STELLAR PURSUIT "

In the galaxy of dreams, I aim to soar,
To shine among stars, forevermore.
With passion as my compass, I chart my course,
Aiming high, with unwavering force.

Through the darkest nights and brightest days,
I'll chase my dreams in countless ways.
Each challenge met, each obstacle overcome,
Brings me closer to the ultimate sum.

With dedication and perseverance as my guide,
I'll ace my aim, let no dream subside.
In the vast expanse of the cosmic sea,
I'll shine among stars, bold and free.

So let me rise, let me thrive,
With every effort, I'll come alive.
To stand out among the celestial array,
And illuminate the universe in my own way.

खेतों की यात्रा

हिमांशु और उसके दोस्त ठीकरी गांव जाने के लिए बहुत उत्सुक थे, वे श्री जीवन पटेल के फार्महाउस पर गए। वे कुछ बीज और अन्य चीजें इकट्ठा करने के लिए बैग ले गए थे।

हिमांशु: सर नमस्कार। मैं हिमांशु हूँ। ये हैं मेरे दोस्त मोहन, डेविड।

हम फसलों के बारे में कुछ जानकारी चाहते हैं। कृपया मार्गदर्शन करें

श्री पटेल:

नमस्कार आप सभी का स्वागत है। आपके प्रश्न क्या हैं?

सबीहा:

आपने यह काम कब शुरू किया और आप कौन सी मुख्य फसलें उगाते हैं?

श्री पटेल:

करीब 75 साल पहले मेरे दादाजी ने ये काम शुरू किया था। हम जो मुख्य फसलें उगाते हैं वे गेहूं, चना, सोयाबीन और मूंग हैं।

डेविड:

महोदय, क्या आप हमें पारंपरिक और आधुनिक कृषि पद्धतियों के बीच अंतर बता सकते हैं?

श्री पटेल:

पहले हम पारंपरिक उपकरणों जैसे हंसिया, बैल से हल, ट्रॉवेल आदि का उपयोग करते थे और सिंचाई के लिए वर्षा जल पर निर्भर रहते थे। लेकिन अब हमारे पास सिंचाई के आधुनिक तरीके हैं। हम ट्रैक्टर कल्टीवेटर, सीड ड्रिल और हार्वेस्टर जैसे उपकरणों का उपयोग करते हैं। हमें अच्छी गुणवत्ता वाले बीज मिलते हैं हम मिट्टी का परीक्षण करते हैं और खाद और उर्वरकों का उपयोग करते हैं। ने- कृषि के बारे में जानकारी रेडियो, टी.वी. तथा अन्य स्रोतों से प्राप्त की जाती है। परिणामस्वरूप हम बड़े पैमाने पर अच्छी फसल प्राप्त कर पाते हैं। इस वर्ष हमें 9 से 11 क्विंटल चने की फसल/एकड़ और 2 से 25 क्विंटल गेहूं/एकड़ की पैदावार हुई। मेरी राय में बेहतर फसल उपज के लिए नई प्रौद्योगिकी के बारे में जागरूकता महत्वपूर्ण है।

मोहन

सबीहा, यहाँ आओ और कुछ केंचुए देखो। क्या वे किसानों के लिए मददगार हैं?

सबीहा:-

हे मोहन! हमने इसके बारे में छठी कक्षा में सीखा।

श्री पटेल

: उचित वातायन के लिए केंचुए मिट्टी को पलटते हैं और उसे ढीला करते हैं। वे किसान की मदद करते हैं.

डेविड:

क्या हमें उन फसलों के कुछ बीज मिल सकते हैं जो आप यहाँ उगाते हैं?

हिमांशु:

उन्होंने थैलों में मिट्टी का नमूना डाला।

सर, इस यात्रा को सुखद बनाने और उपयोगी जानकारी प्रदान करने के लिए हम आपके आभारी हैं।

~अभिनव द्वारा (VIII A)

Paragraph on Yoga

In a fast-paced world filled with stress and distractions, there is a practice that offers us a path to find balance, peace, and harmony within ourselves. That practice is yoga.

Yoga is an ancient tradition that has been passed down through generations, and its benefits have been recognized worldwide. It is a holistic approach that unites the body, mind, and spirit. Through a combination of physical postures, breathing techniques, and meditation, yoga helps us connect with our inner selves and the world around us.

The physical aspect of yoga, known as asanas, improves flexibility, strength, and balance. Regular practice enhances our posture, tones our muscles, and increases our overall fitness. But yoga is not limited to the physical body alone. It goes deeper.

Yoga teaches us to be present in the moment, to focus our attention on our breath, and to quiet the chatter of our minds. Through mindful breathing, we learn to calm our thoughts and find inner peace. This awareness of the present moment allows us to let go of worries about the past or future and experience a profound sense of tranquility.

Moreover, yoga offers a path to self-discovery and self-transformation. It invites us to explore the depths of our being, to understand our emotions, and to cultivate self-love and acceptance. As we practice yoga regularly, we develop resilience, compassion, and gratitude.

The beauty of yoga lies in its inclusivity. It is for everyone, regardless of age, fitness level, or background. Whether you are a beginner or an advanced practitioner, there is always something to learn and discover on the mat.

In a world where stress and anxiety are prevalent, yoga provides a sanctuary—a space where we can retreat, find solace, and rejuvenate. It offers a refuge from the demands of our daily lives and allows us to reconnect with our true selves.

So, I encourage each and every one of you to explore the transformative power of yoga. Find a quiet space, roll out your mat, and embark on a journey of self-exploration. Let yoga guide you on a path of self-discovery, inner peace, and well-being.

Incorporate yoga into your daily routine and witness the positive changes it brings to your life. Embrace the physical, mental, and spiritual benefits that yoga offers, and let it be a source of strength and serenity in your journey through life.

Remember, yoga is not just a practice; it is a way of living. Embrace its teachings, and you will find a profound sense of balance, harmony, and fulfillment.

By- Pritee 12th C

वीर गाथा

आज चली हूं तुम्हें सुनाने एक वीर की गाथा को
वीर चक्र जो चमक रहा उसकी लंबी परिभाषा को
देखोगे तुम भी यह चक्र क्या तुम्हें सुनना चाहता है
इसके पीछे का शहर कौन यह उसे बताना चाहता है

भारत माता की रक्षा को तुलसी मां पर जो डटा रहा
वहीं दूसरी ओर जंगकुक को पाकिस्तानी भड़क रहा
बीच युद्ध महाराणा सा तू 24 जाटों को हर रहा
मिग 21 बना भला सा तू F 16 को भेद रहा

भयभीत नहीं वह मृत्यु से जय भारत का उद्घोष करता है
हनुमान के मन में राम सिया तेरे मन भारत दिखता है

सेवा की लाज बचाने तू भारत का भाग्य बनाने तू

कीमती पेपर का जाता है तभी तो अभिनंदन तू हमारा रक्षक कहलाता है

जैसे सूरज इस धरती को करने से जगमग करता है

शेरनी से जन्माष्टमी तू आज भारतीय गौरव दिखाई
पड़ता है

भारत का हर घर अभिनंदन तेरी राह जो देख रहा

वीर चक्र वीर की वर्दी पर देखो लगे मचल गया

वापसी तेरी वह भारत में एक जयकारा सा बन जाता है

तेरे चेहरे की रौनक देख पर्वत भी शीश झुकाता है

वीरता के किस तेरे वीर चक्र बतलाएगा

दुश्मन भी तुझे देख डर से थर-थर कप-कपाएगा

~ प्रियांशिका सिंह~(11 अ)

मैंने पूछा ऐ नारी

क्या अब तू पुरुष के बराबर है

हँस के बोली वो इस युग में

नारी पुरुष से आगे है

मैंने पूछा ऐ नारी

क्या अब तू ने शिक्षा ग्रहण की??

वह गर्व से बोली शिक्षित मैं अब

शिक्षक का दायित्व मैं निभा रही

मैंने पूछा ऐ नारी
देश के लिए क्या तुमने किया
उत्तर में बोली उड़ा जैट
दुश्मनों को घायल मैंने किया

मैंने पूछा ऐ नारी
क्या खेल में तूने रंग दिखलाया
बोली हाथ नहीं तो क्या
पैरों के बल विजय पताका फहराया

मैंने पूछा ऐ नारी
क्या अंतरिक्ष तूने जाना
बोली अर्श से चांद सूरज
तक ने मुझको पहचाना

इन सब दायित्वों के साथ
क्या निभा रही है तू खास
बिना धागे विश्वास से बोली
सत्यवती बन सत्यवान को
पुनर्जीवित मैं करवाती

एक दायित्व जो सर्वोच्च है
क्या तू उसको निभा रही
गर्व से बोली यशोदा बन
मैं नंद नंदन को खिला रही

~ प्रियांशिका सिंह~

11अ





प्रियांशिका की पेंटिंग

आज़ादी

बहुत प्रयास किए गए हमारे पंख दबाने के लिए....

बहुत प्रयास किए गए सोने की चिड़िया ले जाने के लिए..

वह क्या हमारे पंख दबाते?

सोने की चिड़िया क्या ले जाते ?

उनको हम क्या बताते ...

· भारत मां की संतान हैं हम शान नहीं घटने देंगे... मान नहीं घटने देंगे... ।।

भाई-चारा था हमारा मंत्र..

रचे गए बहुत षड्यंत्र...

अलग - अलग कर दिए भाई

यह थी उनकी चतुराई ।।

राजतंत्र में सत्ता के खातिर कौमवाद से काम लिया देश के ठेकेदार से मिलकर लोगों को नाकाम किया ।।

कब तक रोक सकते वो भारत मां की संतानों को

सन 1857 में उठी थी एक लहर उन्हें डुबाने को ।। दहल गया दिल शैतानों का..

सहम गया दिल शैतानों का.. । ।

पर यह तो बस एक लहर थी.. आगे तो तूफान से भरे समंदर होंगे... फिर सौदागर की कश्तियों का क्या होगा?

नहीं रोक सकीं सौदागरों की कश्तियाँ हमें स्वतंत्र हो जाने से...

नहीं रोक सकीं वह हमें पंख फैलाने से...

नहीं रोक सकीं वह हमें आसमां में ऊंचा उड़ जाने से ।।

(The supreme Power to human being):.

हे मनुज तुम धन्य हो,
खुद को सर्व श्रेष्ठ बताते
सब प्राणियों में अनन्य बताते
स्वयं को तुम संपन्न बताते..

मैंने तो मानवता का बीज बोया था..
वह बीज बड़ा होकर पेड़ बन जाता था..
आंधी तूफानों से वह आने वाले पौधों को
बचाता था..
दूसरे प्राणियों को उपलब्धियाँ प्राप्त कराता
था।

पर यह क्या हुआ?
पौधा बड़ा ही ना हुआ..
अपनी जरूरत पूरी करते करते सब कुछ वह
भूल गया..
स्वयं की भलाई के लिए जाति -धर्म विभाजित
किए..
नहीं छोड़ा धरती माँ को भी..
नहीं छोड़ा इस पावन धरा को भी..।

तुम्हे कैसे मैं बताऊँ
कैसे तुम्हें मैं समझाऊँ?
नहीं अलग कोई जीव यहां
सब में बसता हूँ मैं यहाँ,
सबसे बड़ा है धर्म एक
मानवता सर्व- श्रेष्ठ।

भूल गए इस धरती पर तुम्हे क्यों भेजा था?
इस पावन वसुधा को निरंतर चलाने भेजा था..
सभी जीवों का ध्यान रखने को..
मेरा मान बढ़ाने को भेजा था
काम, क्रोध मद लोभ त्याग कर.
धरती को सींचने भेजा था..
धर्म,अर्थ,कर्म, मोक्ष पाने भेजा था..
साम- दाम, दण्ड- भेद स्थापना के लिए भेजा
था ।।

पर बहुत आशा कर ली थी शायद तुमने तम
के प्राणियों से..
अब सिर्फ एक आशा करता हूँ ..

जीवन दीप प्रज्वलित करता हूँ ।
मत नष्ट करो इस धरती को,
मत नाश करो इन जीवों का,
अपने तम के प्रभावों को संभालो तुम..
अपने इन कुविचारों को त्यागो तुम।
अपनी आने वाली पीढ़ी को स्वयं से बेहतर
बनाओ तुम..
सात्विकता की राह उन्हें दिखाओ तुम..

प्रकृति से प्यार करना उन्हें सिखाओ तुम।

हे मनुज अपना आस्तित्व बचाओ तुम..

कुछ देर में ही सही,

इस धरती को धन्य बनाओ तुम।

- धान्या खरे (१० अ)

“TEACHER”

Teacher is our life

Teacher gives us a better life

Teacher tell us how to live in a life

How to behave in a life

Teacher is an inspiration of life

Teacher Is a part of our life

Teacher is like a book

Who always tell us truth?

Who always tell something new?

And Teacher is the main and special part or our life

~Vaishnavi Upadhyay

“पिता”

जान है मेरा पहचान है मेरा, वो जो पैदा होते ही भगवान मेरा है ,
वो जो अभिमान है मेरा, वो मेरा पिता है जो सम्मान है,
वो जिन्होंने जीना सिखाया, जिंदगी में आने वाली परेशानियों को दूर भगाया,
जिंदगी की डगर पर चलना सिखाया, हर मोड़ पर मुड़ना सिखाया,
बच्चे भूखे होते तो खुद नहीं सो पता , उन्हें उठाकर खाना खिलाकर खुद भूखे पेट सो जाता ।।
मैं रूठ जाती तो गाना गाकर मानता, रात भर मेरी चिंता में ना सो पाता
, वह मेरा पिता है जो मेरा सम्मान बन जाता जान है ,
वह मेरा पिता ही है जो कभी-कभी मेरी दूसरी मां बन जाता
और चाहे फेल हो जाऊं, तो हंस कर कहता फिर मेहनत कर परेशानियों से कभी ना डरना,
जीवन में सुख दुख में रहना सीखना वह मेरा पिता ही है जो मेरा सम्मान बन जाता ।।
वह मेरा पिता है जिसने मेरी गलतियों को सुधार जिसने मुझे स्वारा
वह मेरा पिता ही है जो कितनी भी मुश्किलो मुस्कुराता रहता
और उसे पिता का हाथ न छोड़ना कभी, जिसने हमें उंगली पड़कर सही राह पर चलना सिखाया
वह मेरा पिता है जो मेरा सम्मान बन जाता ।।

~ वैष्णवी उपाध्याय